



Mr.

14 Aug 1951

08:49 AM

Agra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121179704

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 14/08/1951  
दिन \_\_\_\_\_: मंगलवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 08:49:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 07:32:03 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Agra  
राज्य \_\_\_\_\_: Uttar Pradesh  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 27:09:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 78:00:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:18:00 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 08:31:00 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:04:45 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 05:57:59 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 05:48:10 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:56:59 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 13:08:49 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: दक्षिणायन  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: उत्तर  
ऋतु \_\_\_\_\_: वर्षा  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 27:21:39 कर्क  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 06:22:02 कन्या

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: कन्या - बुध  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: धनु - गुरु  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: पूर्वाषाढा - 1  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: शुक्र  
योग \_\_\_\_\_: प्रीति  
करण \_\_\_\_\_: बालव  
गण \_\_\_\_\_: मनुष्य  
योनि \_\_\_\_\_: वानर  
नाड़ी \_\_\_\_\_: मध्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: क्षत्रिय  
वश्य \_\_\_\_\_: मानव  
वर्ग \_\_\_\_\_: मूषक  
युँजा \_\_\_\_\_: अन्त्य  
हंसक \_\_\_\_\_: अग्नि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: भू-भूपेन्द्र  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: लौह - ताम्र  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: सिंह

### डॉ. मनीष कुमार शुक्ल

श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०

9628987375

shuklamanishkumar04@gmail.com



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 15 वर्ष 11 मास 2 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
14/08/1951	17/07/1967	16/07/1973	17/07/1983	16/07/1990
17/07/1967	16/07/1973	17/07/1983	16/07/1990	16/07/2008
14/08/1951	सूर्य 03/11/1967	चंद्र 16/05/1974	मंगल 13/12/1983	राहु 28/03/1993
सूर्य 15/11/1951	चंद्र 04/05/1968	मंगल 16/12/1974	राहु 30/12/1984	गुरु 22/08/1995
चंद्र 16/07/1953	मंगल 09/09/1968	राहु 15/06/1976	गुरु 06/12/1985	शनि 28/06/1998
मंगल 15/09/1954	राहु 03/08/1969	गुरु 15/10/1977	शनि 15/01/1987	बुध 14/01/2001
राहु 15/09/1957	गुरु 23/05/1970	शनि 17/05/1979	बुध 12/01/1988	केतु 02/02/2002
गुरु 16/05/1960	शनि 05/05/1971	बुध 15/10/1980	केतु 09/06/1988	शुक्र 02/02/2005
शनि 17/07/1963	बुध 10/03/1972	केतु 16/05/1981	शुक्र 09/08/1989	सूर्य 27/12/2005
बुध 16/05/1966	केतु 16/07/1972	शुक्र 15/01/1983	सूर्य 15/12/1989	चंद्र 28/06/2007
केतु 17/07/1967	शुक्र 16/07/1973	सूर्य 17/07/1983	चंद्र 16/07/1990	मंगल 16/07/2008

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
16/07/2008	16/07/2024	17/07/2043	16/07/2060	17/07/2067
16/07/2024	17/07/2043	16/07/2060	17/07/2067	00/00/0000
गुरु 03/09/2010	शनि 20/07/2027	बुध 12/12/2045	केतु 12/12/2060	शुक्र 15/11/2070
शनि 16/03/2013	बुध 29/03/2030	केतु 09/12/2046	शुक्र 11/02/2062	सूर्य 14/08/2071
बुध 22/06/2015	केतु 08/05/2031	शुक्र 09/10/2049	सूर्य 19/06/2062	00/00/0000
केतु 28/05/2016	शुक्र 07/07/2034	सूर्य 16/08/2050	चंद्र 18/01/2063	00/00/0000
शुक्र 27/01/2019	सूर्य 19/06/2035	चंद्र 15/01/2052	मंगल 16/06/2063	00/00/0000
सूर्य 15/11/2019	चंद्र 17/01/2037	मंगल 11/01/2053	राहु 04/07/2064	00/00/0000
चंद्र 16/03/2021	मंगल 26/02/2038	राहु 01/08/2055	गुरु 10/06/2065	00/00/0000
मंगल 20/02/2022	राहु 02/01/2041	गुरु 06/11/2057	शनि 19/07/2066	00/00/0000
राहु 16/07/2024	गुरु 17/07/2043	शनि 16/07/2060	बुध 17/07/2067	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 15 वर्ष 10 मा 29 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल

श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०

9628987375

shuklamanishkumar04@gmail.com

## लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृत्ति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृत्ति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्यों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते हैं। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेंगे। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृत्ति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखें आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखें एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिज प्रवृत्ति के प्राणी हैं तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृत्ति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किंचित लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरुष हैं। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रियात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरुद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत्त हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

**डॉ. मनीष कुमार शुक्ल**

श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०

9628987375

shuklamanishkumar04@gmail.com

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृत्ति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करें। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार हैं। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करें।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग हैं। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।